

उत्तरामुत्तरं समाम् 4,37,7. VS. 38,28. AV. 12,1,33. प्रथम — उत्तर — तृतीय RV. 10,85,40. उत्तरे ऽरुन् CAT. Br. 13,3,2,1. 1,8,2,30. यः पूर्व उद्धितरितं तथ्य उत्तरो योः सा 6,5,2,22. उत्तरामुत्तरं शाखाम् 9,3,2,6. पूर्वी पार्ष्णीमासीमुत्तरं च KĀTJ. Çr. 2,1,1. उत्तरं आषाढाः AV. 19,7,4. वयस्युत्तरे KĀTJ. Çr. 4,1,18. उत्तरयोः सवनयोः die beiden späteren (Mittag- und Abend-) Spenden AIT. Br. 6,8. Nir. 1,19. 2,10. 7,17. TAITT. Up. 1,3,1. M. 2,136. 7,72. 10,68. MBh. 3,10259. R. 1,71,24. 72,13. उत्तराणि च कार्याणि कुरुते 5,33,28. 47,22. 50,2. 86,112. 73,15. Hir. I,8. RAGH. 19,5. AK. 1,1,5,18. 2,8,2,55. उत्तरसूत्रे P. 3,1,6. Sch. एतस्मात्सूत्रादुत्तरेषु द्विर्वाचनेषु 8,1,11. Sch. 3,1,83. Sch. उत्तरकाव्ये am Schlusse des Gedichts (vgl. उत्तरकाण्ड) R. 1,3,38. गुत्रतरे die beiden auf eine lange Silbe folgenden ÇAUT. 39. वर्षोत्तरेषु in spätern Jahren Suçr. 2,197,1. उत्तरः कालः Zukunft AK. 2,8,2,29. H. 162. उत्तरं कालम् कünftig R. 2,88,22. उत्तरकाल MBh. 3,12511. फलमुत्तरम् AK. 2,8,2,29. उत्तरं वाक्यम् (वचस् u. s. w.) eine nachfolgende Rede, d. i. eine Fortsetzung der Rede oder Antwort (vgl. u. 4, d): एवमुक्त्वा स वचनं वाष्पपूरितलोचनः । वाप्योपकृत्या वाचा नाशक्रोदकुमुतरम् ॥ R. 4,8,18. वचो मुनेरुत्तरमाचक्रा 3,18,48. उत्तरादुत्तरं वाक्यं वदतां संप्रज्ञापते ein Wort giebt das andere PĀNĀT. I,69. प्रत्युवाचोत्तरं वाक्यम् R. 4,3,4. MBh. 1,4157. इत्युक्तवत् रामस्तम् — न शशकिातिरैर्विक्रवोर्दु समुद्यतम् R. 3,1,33. — e) superior, überlegen, siegreich, mächtiger: उत्तराकुमुत्तरं उत्तरेदुत्तराभ्यः RV. 10,145,3. शत्रोः शत्रोर्हृत् इत्स्याम् 6,19,3. 8,14,15. AV. 2,27,7. 3,5,5. सहेः RV. 10,84,6. विश्वस्मादिन्द्र उत्तरः 86,1. न मायया भवस्युत्तरो मत् VS. 23,52. — f) besser, trefflicher AK. MED. सुमम् RV. 2,23,8. त्रपम् 1,95,8. 50,10. दत्तम् 6,16,17. अर्थसा श्रीणतो गोभिरुत्तरम् 9,107,2. — 2) m. a) N. pr. ein Sohn Virāṭa's H. an. MED. MBh. 1,6988. LIA. I,686. 689. buddh. BUDD. Intr. 176. fg. 334. ein König der Nāga VJUTP. 83. उत्तरशालङ्क्याः gaṇa तिकितिकादि zu P. 2,4,68. — b) N. pr. eines Berges: अस्ति काम्पित्यविषयः — तत्रोत्तराख्यश्च गिरिः KATHĀS. 23,23,26. Vgl. उत्तरं पर्वतम् Viçv. 13,14. दक्षिणास्यात्तरे गिरिः R. 4,63,16,22. Ind. St. 1,163. 165. 171. 180. 181. 408. — 3) f. ० रा a) näml. दिष् Norden H. 167. MED. RĀGĀN. im ÇKDR. KATHĀS. 18,57. SIDDH. K. zu P. 1,1,28. — b) N. pr. einer Tochter Virāṭa's und Schwiegertochter Arṅgana's MED. MBh. 1,169. 1946. 3835. 14,1835. 1843. LIA. I,684. 686. 689. einer Scavin LALIT. 258. fg. — 4) n. a) (was oben auf liegt) Oberfläche; Decke: क्लिन्नप्लोत्तराः (पतत्रिणाः) Daç. 1,16. आनयेदुद्विपियाकं चीरमाह्व चोत्तरम् R. 2,103,20. meist am Ende eines adj. comp.: आसने विश्वोत्तरे MBh. 3,1881. चेलाजिनकुशोत्तरम् (आसनम्) BHAG. 6,11. R. 2,88,4. RAGH. 17,12. द्युतेः शिरश्चैषकोत्तरेव (रणान्तिः) 7,46. — b) Norden R. 2,68,12. उत्तरे 4,44,117. DHĪRTAS. 77,10. — c) das nachfolgende Glied; der letztere Theil einer Zusammensetzung: भवदुत्तरम् adv. so dass भवन् (in der Anrede) folgt, am Ende steht M. 2,49. अष्टर्थे चोत्तरे स्थितः am Ende eines comp. hat (सिंह) auch die Bedeutung von अष्ट TRIK. 3,3,462. उत्तरस्य MED. bh. 12. गुणशब्द इतरोत्तरः H. 16. — d) Antwort (vgl. u. 1, d gegen das Ende) AK. 1,1,5,10. H. 263. an. 3,524. MED. r. 120. ÇĀK. 70,3. 59. v. l. प्रश्नोत्तरेण PRAB. 104,14. अस्तीत्युत्तरमुद्दिश्य ममेदम् MBh. 1,1920. उत्तरं तस्य वाक्यस्य न वक्तव्यं कथं च न R. 3,70,7. 30,15. 51,32. ब्रू N. 17,29. R. 1,14,1. प्रतिकृत् 24,15. RAGH. 3,47. नेतरं प्रत्यपद्यत

R. 4,18,1. 2,1,8. तस्येदमेवोत्तरं वितरति PĀNĀT. 127,21. उत्तरदायक KĀN. 43. अपसर्पापसर्पेति वागुत्तरमकुर्वताम् MBh. 1,6704. तं बभाषे शपथोत्तरम् als Antwort auf die Verwünschung KATHĀS. 14,52. निराकृतान्योत्तरम् Unwiderleglichkeit H. 67. In der Gerichtssprache die Erwiderung auf die Anklage (भाषा) DHĪRTAS. 90,4. 18. 91,5. उत्तराभास m. eine scheinbare, trügerische, mangelhafte Erwiderung VJAVAHĀRAT. im ÇKDR. In der Mīmāṃsā heisst das 4te Glied eines अधिकारण Antwort (उत्तर) oder bewiesener Schluss (सिद्धांत) COLEBR. Misc. Ess. I,301. — e) Uebergewicht, Ueberlegenheit, Oberhand, Gewachsenheit: न ते निपुदे न जवे न योग्यासु कदा च न । कुमारो उत्तरं चक्रुः स्पर्धमाना वक्रादरम् MBh. 1,4986. नियमात्सर्ववर्णानां धर्मोत्तरमवर्तत 3976. समुद्रपारगमने कपीनां हि किमुत्तरम् denn wie vermöchten die Affen das Meer zu überschreiten? R. 5,70,18. Ueberschuss, Ueberfluss; am Ende eines adj. comp.: षष्ठ्युत्तरसकस्रम् Tausend mit einem Ueberschuss von Sechzig (1060) IRH. bei ROSEN zu RV. 18,1. सप्तोत्तरं शतम् JĀGĀ. 3,102. शतानि च दशोत्तराणि MBh. 1,296. 13,1143. PĀNĀT. 157,24. KATHĀS. 13,40. BRAHMA-P. in LA. 57,15 (wo wohl सप्तोत्तराणि zu lesen ist). H. 639. LIA. I,302, N. 1. (पशूनां त्रिशती) अश्वरत्नोत्तरा MBh. 14,2638. प्रुक्ते दशोत्तरे पत्ने am 10ten Tage der lichten Hälfte des Mondes 3,17126. स्वाद्वं वा भयोत्तरम् oder süsse Speise mit Gefahr verbunden Hir. I,143. राज्ञो चरितार्थता दुःखोत्तरा ÇĀK. 61,18. गुणोत्तराणि सर्वाणि MBh. 3,13922. अक्रमेतांगुणान्मन्ये भूयिष्ठं गुणोत्तरान् R. 5,2,4. ब्रह्मधर्मोत्तरे राज्ये MBh. 1,3982. धर्मोत्तरं dem Recht ganz ergeben RAGH. 13,7. कस्मात्तात तवायेह शोकोत्तरमिदं मनः MBh. 14,1639. व्यवसायोत्तरं कपिम् R. 4,42,11. जयोत्तरं voll des Sieges, des Sieges gewiss MBh. 3,16363. अत्यन्तभावोत्तरा DHĪRTAS. 73,15. विभवोत्तरा VID. 219. सखीभिरुत्तरम् (adv. mit Thränen im Auge) इतितामिमाम् KUMĀRAS. 3,61. दोलान्दोलनलोत्तराङ्गणारणकोत्तरं (adv.) सर्पति PRAB. 40,6. अर्थोत्तरता MBh. 1,1607. Daher wohl उत्तर = प्रवण H. an. 3,524. — f) bei den Mathematikern Differenz, Res: COLEBR. Alg. 251. 288. — g) N. eines Gesanges (गीतक) JĀGĀ. 3,113. — Vgl. अर्थोत्तर, अनुत्तर, अक्रमुत्तर, चतुर्हृत्तर.

2. उत्तर (von त्रु mit उद्) m. nom. act. s. उद्तर.

उत्तरकाण्ड (1. उ० + का०) n. nachfolgendes, schliessendes Buch; so heisst das 7te Buch des RĀMĀJANA Verz. d. B. H. No. 437—444. — Vgl. अद्भुतोत्तरकाण्ड, अर्ध्यात्मोत्तरकाण्ड.

उत्तरकुरु und उत्तरकोशल s. u. कुरु und कोशल.

उत्तरक्रिया (उ० + क्रि०) f. die letzte heilige Handlung, das Todtenopfer: उत्तरक्रियाविधि Verz. d. B. H. No. 1108.

उत्तरखण्ड (1. उ० + ख०) n. letzter Abschnitt; so heisst das Schlussbuch im PADMA-P. (Verz. d. B. H. No. 437) und im ÇIVA-P. (TROYER in RĀGĀ-TAB. I, p. 329).

उत्तरग्रन्थ (उ० + ग्र०) m. Titel eines Nachtrags zum JONIGRANTHA COLEBR. Misc. Ess. I, 308. des letzten Werkes der VINAJA-Abtheilung Ind. des KANDJUR 1. VJUTP. 43. CSOMA in Asiat. Res. XX, 93.

1. उत्तरंग (उत्तरम्, acc. oder adv. von 1. उत्तर, + ङ) n. ein Bogen von Holz über einer Thür H. 1006.

2. उत्तरंग (उद् + त०) adj. mit hochgehenden Wogen: शोषा इवोत्तरंगः RAGH. 7,33. अपामिवाधारमनुत्तरंगम् KUMĀRAS. 3,48.